हरिभूमि

रायपुर - संस्कारधानी भूमि

7 Jun 2023

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिलेभर में कई कार्यक्रम

जागरूकता रैली निकालकर रोपे पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ खैरागढ़

बक्शी स्कूल परिसर में वन मंडल ने पौधे रोपकर उनके संवर्धन संरक्षण के संकल्प साथ पर्यावरण दिवस मनाया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष भीखमचंद छाजेड़, विधायक प्रवक्ता कपिनाथ महोबिया, एसडीओ एएल खूंटे, रेंजर आरके टंडन, प्राचार्य रोशनलाल वर्मा सहित अन्य कर उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में औपचारिक रूप से पांच पौधों को रोपण किया गया।

मंचीय आयोजन में शहर कांग्रेस अध्यक्ष भीखमचंद छाजेड़ ने कहा कि बरसात आते ही ब्लाक में वृहद स्तर पर पौधे रोपकर उनकी सुरक्षा और संवर्धन का काम किया जाएगा। वन मंडल के इस अभियान मे कांग्रेसी हर कदम पर पूरा साथ देंगे। विधायक प्रवक्ता कपिनाथ महोबिया ने पौधे को पेड़ बनने तक देखभाल करने की अपील करते हुए कहा कि प्रकृति के दोहन का खामियाजा आज भुगतना पड़ रहा है। एसडीओ फारेस्ट एएल खूंटे ने कहा कि ग्लोबल वर्मिंग को कम करने पौधे लगाना और उसके संरक्षण व संवर्धन पर ध्यान देना आवश्यक हो गया है। प्राचार्य आरएल वर्मा ने पर्यावरण संबंधी जानकारी देते हुए आने वाले भविष्य को हरा-भरा वातावरण देने अभियान को जरूरी बताया। शाला परिसर मे फलदार पौधे रोपे गए। इस दौरान हर्षबहादुर सिंह, सुनील सिंह, कैलाश सिंह, प्रदुम्न तिवारी, संजय श्रीवास्तव, अनुराग सिंह, सुनील कुमार गुनी सहित बड़ी संख्या मे शाला व वन विभाग के लोग मौजूद थे।

रासेयो स्वयंसेवकों ने निकाली जागरूकता रैली

इंदिरा कला संगीत विवि के एनएसएस स्वयंसेवकों ने साइकिल रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश दिया। कैडेट्स सहित अन्य स्टूडेंट्स ने आम लोगों को साइकिल की उपयोगिता और पर्यावरण संरक्षण के संबंध मे जानकारी दी। संगीत संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. नमन दत्त ने कहा कि विश्व साइकिल दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस, दोनों की थीम को संयुक्त रूप से ध्यान में रखते हुए आयोजित रैली में विद्यार्थियों के साथ-साथ शोधार्थी, शिक्षक और अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हुए। गौरतलब है कि कुलपति डॉ. ममता चंद्राकर और कुलसचिव प्रो डॉ आईडी तिवारी के निर्देशन में विवि परिसर को इको-फ्रेंडली कैंपस के रूप में विकसित करने की दिशा मे गतिविधियां जारी है। इसके तहत परिसर के भीतर प्रत्येक शनिवार को कार्बन उत्सर्जी वाहनों पर रोक लगाकर साइकिल के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया है। इस दौरान बड़ी संख्या मे विवि के लोग उपस्थित थे।

पचीस सालों से पर्यावरण संरक्षण को लेकर है क्रियाशील

पक्का इरादा और सच्चे संकल्प साथ पर्यावरण को हरा-भरा और स्वच्छ व प्रदूषण रहित बनाने 25 साल पहले कमलेश्वर सिंह राजपूत ने 1995-96 मे पर्यावरण संरक्षण को लेकर काम शुरू किया। वन व पर्यावरण मंत्रालय नई दिल्ली और राज्य पर्यावरण संरक्षण मंडल छग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण जागरुकता अभियान और इको क्लब के माध्यम से क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। ब्लाक के बिड़ौरी मे 50 से अधिक लोगों को जोड़कर ग्रापं धनगांव से प्रस्ताव पारित करवा कर गैर कृषि भूमि, चरागाह भूमि मे खुद से उगने वाले विभिन्न प्रजातियों के पेड़ पौधों को काटने पर प्रतिबन्ध लगवाया, काटने पर जुर्माना लगाने का प्रस्ताव कराया और उसके बाद भी नही मानने पर प्रशासन से सहयारेग लिया गया। जिसके चलते हजारों वृक्ष कटने से बच गए, इससे प्रेरित होकर आसपास के गावों में भी यह अभियान चलाया गया, वन विभाग के सहयोग से 3 एकड़ अतिक्रमित भूमि में 500 फलदार पौधे रोपे गए। नवोदित युवा संगठन का गठन कर सामाजिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, साहित्यिक गतिविधियों से जोड़कर नई दिशा दी। शासकीय सेवा मे आने के बाद भी ऐसी गतिविधियों विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर जारी रखा है। संस्था मे राज्यपाल पुरस्कार से प्राप्त 20 हजार को मिलाकर 200 गुणा 17 क्षेत्रफल मे क्यारी बनाकर फूल पौधे लगवाया और शाला को स्वच्छ बनाये रखने क्रियात्मक शोध किया है जिसका प्रस्तुति करण राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद रायपुर बेहतर ढंग से किया गया। कमलेश्वर सिंह राजपूत से यह प्रेरणा लेना आवश्यक है कि महज एक दिन राष्ट्रीय और विश्व पर्यावरण दिवस के दिन ही पौधरोपण कर छोड़ देने से काम नहीं चलेगा बल्कि उसका देख रेख और जल सिंचित करना आवश्यक है।